॥ जय श्री श्याम ॥

श्री श्याम चालीसा

Khatu Shyam Chalisa in Odia

दोहा

श्री गुरु चरणन ध्यान धर, सुमिरि सच्चिदानन्द।
श्याम चालीसा भजत हूँ, रच चौपाइ छन्द॥

1

श्याम-श्याम भजि बारम्बारा।
सहज ही हो भवसागर पारा॥

2

इन सम देव न दूजा कोइ।
दीन दयालु न दाता होइ॥

3

भीमसुपुत्र अहिलवती जाया।
कहीं भीम का पौत्र कहाया॥

4

यह सब कथा सही कल्पान्तर।
तनिक न मानो इसमें अन्तर॥

5

बर्बरीक विष्णु अवतारा।
भक्तन हेतु मनुज तनु धारा॥

6

वसुदेव देवकी प्यारे।
यशुमति मैया नन्द दुलारे॥

7

मधुसूदन गोपाल मुरारी।
वृजकिशोर गोवर्धन धारी॥

8

सियाराम श्री हरि गोविन्दा।
दीनपाल श्री बाल मुकुन्दा॥

9

दामोदर रणछोड़ विहारी।
नाथ द्वारिकाधीश खरारी॥

10

नरहरि रूप प्रहलद प्यारा।
खम्ब फारि हिरनाकुश मारा॥

11

राधा वल्लभ रुक्मिणी कंता।
गोपी वल्लभ कंस हनंता॥

12

मनमोहन चितचोर कहाये।
माखन चोरि-चोरि कर खाये॥

13

मुरलीधर यदुपति घनश्यामा।
कृष्ण पतितपावन अभिरामा॥

14

मायापति लक्ष्मीपति ईसा।
पुरुषोत्तम केशव जगदीशा॥

15

विश्वपति त्रिभुवन उजियारा।
दीनबन्धु भक्तन रखवारा॥

16

प्रभु का भेद न कोइ पाया।
शेष महेश थके मुनिराया॥

17

नारद शारद ऋषि योगिन्दर।
श्याम-श्याम सब रटत निरन्तर॥

18

कवि कोविद करि सके न गिनन्ता।
नाम अपार अथाह अनन्ता॥

19

हर सृष्टि हर युग में भाइ।
ले अवतार भक्त सुखदाइ॥

20

हृदय माँहि करि देखु विचारा।
श्याम भजे तो हो निस्तारा॥

21

कीर पढ़ावत गणिका तारी।
भीलनी की भक्ति बलिहारी॥

22

सती अहिल्या गौतम नारी।
भइ श्रापवश शिला दुखारी॥

23

श्याम चरण रज चित लाइ।
पहुँची पतिलोक में जाइ॥

24

अजामिल अरु सदन कसाइ।
नाम प्रताप परम गति पाइ॥

25

जाके श्याम नाम अधारा।
सुख लहहि दुःख दूर हो सारा॥

26

श्याम सुलोचन हैं अति सुन्दर।
मोर मुकुट सिर तन पीताम्बर॥

27
ଗଲ ବୈଜୟନ୍ତୀ ମାଲ ସୁହାଇ।
ଛବି ଅନୂପ ଭକ୍ତନ ମନ ଭାଇ॥

28
ଶ୍ୟାମ-ଶ୍ୟାମ ସୁମିରହୁ ଦିନରାତୀ।
ଶାମ ଦୁପହରି ଅରୁ ପରଭାତୀ॥

29
ଶ୍ୟାମ ସାରଥୀ ଜିସ ରଥ କେ।
ରୋଡ଼େ ଦୂର ହୋୟ ଉସ ପଥ କେ॥

30
ଶ୍ୟାମ ଭକ୍ତ ନ କହୀଂ ପର ହାରା।
ଭୀର ପରି ତବ ଶ୍ୟାମ ପୁକାରା॥

31
ରସନା ଶ୍ୟାମ ନାମ ରସ ପୀ ଲେ।
ଜୀ ଲେ ଶ୍ୟାମ ନାମ କେ ହାଲେ॥

32
ସଂସାରୀ ସୁଖ ଭୋଗ ମିଲେଗା।
ଅନ୍ତ ଶ୍ୟାମ ସୁଖ ଯୋଗ ମିଲେଗା॥

33
ଶ୍ୟାମ ପ୍ରଭୁ ହୈଂ ତନ କେ କାଲେ।
ମନ କେ ଗୋରେ ଭୋଲେ-ଭାଲେ॥

34
ଶ୍ୟାମ ସଂତ ଭକ୍ତନ ହିତକାରୀ।
ରୋଗ ଦୋଷ ଅଘ ନାଶୈ ଭାରୀ॥

35
ପ୍ରେମ ସହିତ ଜେ ନାମ ପୁକାରା।
ଭକ୍ତ ଲଗତ ଶ୍ୟାମ କୋ ପ୍ୟାରା॥

36
ଖାଟୂ ମେଂ ହୈଂ ମଥୁରାବାସୀ।
ପାରବ୍ରହ୍ମ ପୂରଣ ଅବିନାସୀ॥

37
ସୁଧା ତାନ ଭରି ମୁରଲୀ ବଜାଇ।
ଚହୁଁ ଦିଶି ନାନା ଜହାଁ ସୁନି ପାଇ॥

38
ବୃଦ୍ଧ-ବାଲ ଜେତେ ନାରି-ନର।
ମୁଗ୍ଧ ଭୟେ ସୁନି ବଂଶୀ କେ ସ୍ୱର॥

39
ଦୌଡ଼-ଦୌଡ଼ ପହୁଁଚେ ସବ ଜାଇ।
ଖାଟୂ ମେଂ ଜହାଁ ଶ୍ୟାମ କନ୍ହାଇ॥

40
ଜିସନେ ଶ୍ୟାମ ସ୍ୱରୂପ ନିହାରା।
ଭବ ଭୟ ସେ ପାୟା ଛୁଟକାରା॥

ଦୋହା
ଶ୍ୟାମ ସଲୋନେ ସାଁବରେ, ବର୍ବରୀକ ତନୁ ଧାର।
ଇଚ୍ଛା ପୂର୍ଣ ଭକ୍ତ କୀ, କରୋ ନ ଲାଓ ବାର॥

॥ जय श्री श्याम ॥ More on khatushyamchalisa.com

→ Read the meaning of every chaupai · हर चौपाई का अर्थ पढ़ें
→ Shyam Baba Aarti · श्याम बाबा की आरती
→ Khatu temple timings · खाटू मंदिर दर्शन समय

Scan to visit